(02) नहीं

2020

# माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

| परीक्षा का विषय | विषय कोड | परीक्षा का माध्यम |
|---|---|---|
| HINDI | 0 5 1 | ENGLISH |

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल
BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

20- 1763761

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

| 0 | 4 | 4 | 3 | 4 | 6 | 1 | 8 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | four | four | three | four | six | one | eight |

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं परीक्षक द्वारा भरा जावे

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 16

ग :– परीक्षा का दिनांक 06 03 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

C. No.- 442116 High Secondary School

| पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर | केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर |
|---|---|
| (हस्ताक्षर) | Akar |

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

निर्धारित मुद्रा

... परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार ... एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें।

| प्रश्न क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक | प्राप्तांक (अंकों में) |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |

... अंकों में

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 1

(i) ओजगुण
(ii) माँ
(iii) महात्मा गाँधी
व्यास शैली
तीन

प्रश्न - 2

(i) (अ) पत्र
(ii) (स) गोपाल सिंह 'नेपाली'
(iii) कांति का
तत्पुरुष समास
असंभव कार्य करना

प्रश्न - 3

(i) असत्य
(ii) सत्य
(iii) सत्य
असत्य
सत्य

प्रश्न - 4

| | 'क' | 'ख' |
|---|---|---|
| (i) | धरती का ताज | हिमालय |
| (ii) | अमोघ शक्तियाँ | शब्द और कीर्ति |
| (iii) | घटा | काले बादलों का समूह |

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

| | |
|---|---|
| आकाशवाणी | पारिभाषिक शब्द |
| ...परीतार्थी शब्द-युग्म | लाभ - हानि |

प्रश्न - 5

उ:(i) ताप - त्रय दैविक, दैहिक और भौतिक है।

उ:(ii) बल के अभाव में बुद्धि-कौशल पंगु है।

उ:(iii) सिरचन ठेस कहानी का पात्र है।

B

S

उ:(iv) बहादुरी और दयालु अर्जुन की स्वीकारोक्ति है।

दो या दो से अधिक कार्यों या चीजों को एक ही वाक्य में जोड़ना उसे मिश्र वाक्य कहते हैं।

प्रश्न - 6

...त्री जी सरोवर किनारे एकाग्रता और शांति ... मुश्किलों का हल ढूंढने जाते थे।

प्रश्न - 7

उत्तर: गांधीजी के शिक्षा ज्ञान में गणित और संस्कृत विषयों पर बल दिया गया क्योंकि क्योंकि यह विषय को बड़ी आयु में सिखना कठिन है।

कुल अंक

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 8

उत्तर: भारतेन्दु युग के निबंधकारों के नाम हैं-
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र - इनकी रचना है -
पाँचवें पैगंबर
बालकृष्ण भट्ट इनकी रचना है - बालविवाह

~~प्रश्न -~~
प्रश्न - 9

उत्तर:- द्विवेदी युग के निबंधों की विशेषताएँ
निम्न हैं -
(i) इस युग के निबंध ज्ञान-विज्ञान से
संबंधित थे।
इस युग के निबंध मे छायावादी के संदर्भ
मे खुलकर चर्चा की गई थी।

प्रश्न - 10

उत्तर: समास विग्रह :-
(i) हंस - हंसिनी - हंस और हंसिनी
(द्वन्द्व समास)
त्र - निर्माण - चरित्र का निर्माण
[तत्पुरुष समास]

प्रश्न - 11

उ वाक्य परिवर्तन कीजिए -
गाँव का रास्ता ऊबड़-खाबड़ नही है।

पृष्ठ 5 के अंक कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(ii) कठोर बनो और सहृदय बनो।

प्रश्न - 12

उत्तर: जननी जन्मभूमि स्वर्ग से महान है।
कथन का अर्थ यह है कि जो हमें
देती है हमारी माँ उनका स्थान
धरती पर स्वर्ग से भी बढ़कर है।
को स्वर्ग से ऊपर माना गया है।

प्रश्न - 13

उत्तर: (i) स्वर्ग सिधार जाना - मर जाना
वाक्य :- पिछले वर्ष इसी दिन मेरे दादाजी स्वर्ग सिधार गए थे।

थ प्रयत्न करना :- बहुत कोशिश करना
:- मैंने तुमसे मिलने के लिए भगीरथ प्रयत्न किया था किन्तु मैं नहीं आ सका।

प्रश्न - 14

उत्तर:

| पारिभाषिक | तकनीकी |
|---|---|
| (i) तंत्रिका | चिकित्सालय |
| ग्राम पंचायत | माउस |

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 15

उत्तर: विलोम शब्द :-

| | |
|---|---|
| कड़वा | मीठा |
| धनी | गरीब |
| सजीव | निर्जीव |
| आसान | कठिन |

प्रश्न - 16

उत्तर: भीषण गर्मी के बाद प्रथम वर्षा होने से मनुष्य का तन-मन दोनों ही प्रसन्न हो उठता है। चारों तरफ हरियाली छा जाती है और प्राकृतिक सौन्दर्य का अनुभव होता है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षि, मनुष्य सभी को आनन्द आ जाता है।

प्रश्न - 17

उत्तर: रवीन्द्रनाथ टैगोर सौंदर्यशास्त्र की पुस्तक पढ़ रहे थे इतने में खिड़की से तेज हवा का झोंका आया और मोमबत्ती बुझ गई। खिड़की और दरवाजे से प्रवेश करती हुई चाँदनी पूरे कमरे में फैल गई तभी इन्हें अत्यंत प्राकृतिक सौंदर्य की अनुभूति हुई।

प्रश्न - 18

उत्तर: समय की पाबंदी के संबंध में गांधीजी

कहते थे की जो व्यक्ति समय के साथ नहीं चलेगा, समय का आदर नहीं करेगा वह जिन्दगी में कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकेगा। यदि हमें सफलता और उन्नती प्राप्त करनी है तो हमे समय का आदर करते हुऐ उसका पाबंदी करनी चाहिऐ।

प्रश्न - 19

उत्तर कवि ने हिमालय से हमारे यह तीन संबंध बताऐ है -

(i) अडिग :- जिस प्रकार हिमालय अडिग खड़ा रहता है उसी प्रकार हमें भी हमारे निर्णयों पर अडिग रहना चाहिऐ।

(ii) अविचल :- जिस प्रकार हिमालय अविचल रहता है उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन के कार्यों में अविचल रहना चाहिऐ।

(iii) स्थिर :- जिस प्रकार हिमालय अपना जगह पर स्थिर है उसी प्रकार हमें भी कठिन परिस्थितियों और हमारे निर्णयों पर स्थिर रहना चाहिऐ।

प्रश्न - 20

उत्तर : मेषमाता (बकरी) तप्त आँसू इसलिऐ बहाती है क्योंकि वह बहुत दयालु होती है और जब कोई उससे उसके शिशु को छीन लेता है तो वह कुछ नहीं कर पाती है। वह असहाय होकर केवल देखती रह

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

जाती है। और वह खुद को बहुत कमजोर महसूस करती है क्योंकि वह अपने ही बच्चे की रक्षा नहीं कर पाती खुद को कोसती रहती है और हाती है।

प्रश्न - 21

उत्तर: रहीम मोतियों के हार से यह संदेश देना चाहते है कि जिस प्रकार हम मोतियों की माला टूटने पर उसे दोबारा जोड़ लेते है उसी प्रकार हमारे बड़े और गुरु हमारे जीवन के अमूल्य ती है। यदि वह हमसे हमारी कोई गलती रूठ जाते है तो हमे उन्हें मना ना चाहिए और माफी माँग लेनी चाहिए योंकि वही हमें हमारे जीवन में सही राह ताते है।

प्रश्न - 22

उत्तर: नालंदा विश्वविद्यालय की विशेषताएँ निम्न है-

(i) नालंदा विश्वविद्यालय में दस हजार विद्यार्थी और पंद्रह सौ आचार्य शिक्षा प्रदान करते आते थे।

यहाँ केवल भारतीय नहीं बल्कि मंगोलीन , अरेबिया, चिन आदि से विद्यार्थी , व्याकरण, चिकित्साशास्त्र, ज्योतिष शास्त्र, न, गणित, संगीत - नृत्य, शिल्प हुए

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

खजाने को खोजने का ज्ञान प्राप्त करने आते थे।

(iii) यहाँ तीन महान पुस्तकालय थे जहाँ कई महान ग्रंथ भी थे जो। परन्तु जब बख्तियार खिलजी ने इस पुस्तकाचल को आग लगाई तो यह अमूल्य ग्रंथ ~~भस्म~~ हमेशा के लिए भस्म हो गए।

(iv) नालंदा विश्वविद्यालय भारत के विश्व के महान विद्यालयों में से एक है।

प्रश्न - 23

उत्तर - महाराजा शिवाजी अपनी चतुरंगिनी सेना हाथी, घोड़े, रथ और पैदल सेना ~~की~~ को लेकर युद्ध के लिए निकले। उनकी सेना के चलने से जो धुआँ उठ और धूल उड़ रही थी उससे सूर्य तारों के समान छिप गया था। हाथी एक दूसरे को धक्का दे-देकर [च]ल रहे थे मानो पर्वत उखड़कर आ रहे हो। हाथियों के चलने से समुद्र का पानी [ऐ]से हिल रहा था जैसे ~~थ~~ थाली में पारा हिलता हो। ढोल और बाजे सेना के उत्साह को बढ़ाने के लिए बज रहे थे।

प्रश्न - 24

उत्तर : "जागो फिर एक बार! ......... नाम कब कहाँऊँगा"

संदर्भ :- इस पंक्तियों यह पंक्तियाँ हमारी पाठ्य

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

पुस्तक के पाठ जागो फिर एक बार से ली गई है। इसके कवि 'सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' है।

प्रसंग :- इस पंक्ति में कवि ने नवयुवकों को जगाकर देश के लिए कुछ करने को कहा है। दुश्मनों से लड़ने को कहा है।

व्याख्या :- कवि कहते है कि जैसे हमारे महासिन्धु ने अपने प्राणों को देश के लिए ग दिया वैसे ही हमें भी देश को ा के लिए अपने प्राणों को त्यागकर तर होना है। गुरुगोविंद सिंह यह कह हैं कि हमारा एक सैनिक सवा लाख मन सैनिक पर भारी है। उनका सामना करने की क्षमता रखता है।

प्रश्न - 25

उत्तर:(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक है " सफल जीवन कैसे बिताए?" ।

उत्तर:(ii) 'अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है।' रचना की दृष्टि से यह ~~साधारण~~ साधारन | सरल वाक्य है।

उत्तर:(iii) परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

करते है।

उत्तर(iv) प्रस्तुत गद्यांश में यह है कि हमें हमारा जीवन कर्म के लिए मिला है। कठिनाई, दुख एवं कष्ट का हमें सामना करना चाहिए उनसे डरना नहीं चाहिए। तभी हम विजयी प्राप्त कर सकेंगे। हमें हमारे महापुरुषों से सिखना चाहिए उनके गुणों को अपनाकर हम जीवन में संघर्ष करके सफलता प्राप्त …सकेंगे।

B
S
E

प्रश्न - 26

उ:(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक है 'भारत के वीर जवान'।

उ:(ii) कवि सच्चा धर्म दुश्मनों को खत्म कर, उनका सामना करके हमारे देश की रक्षा करने को मानता है।

उ:(iii) इस पद्यांश में कवि कह रहे है कि हमारे देश के वीरों का सच्चा कर्म, सच्ची सेवा और सच्चा धर्म यही है कि वे दुश्मन …के सामने न झुके और उनका मुकाबला करें। …ब भी भारत माता को कोई तकलीफ होती …तो उनका खून खौलने लगता है और …त कष्ट पहुँचता है। भारत माता का दुख यह समझ सकते हैं।

उ:(iv) दुश्मन का विलोम है - मित्र

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 27

उत्तर :

27, मोहम्मद पुरा
कमरी मार्ग, उज्जैन
दिनांक - 6 मार्च, 2020

प्रिय भाई !

तुम कैसे हो ? आशा से सब कुशल मंगल होगा । यहा मैं भी ठीक हूं। मुझे पता चला की तुम काफी कमजोर हो गए हो । मैंने यह पत्र तुम्हें यह बताने के लिए लिखा है कि तुम्हें योग एवं प्राणायम रोज प्रातः काल करना चाहिए इसका हमारी जिन्दगी में बहुत बड़ा महत्व है । इससे हमारा शरीर एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे । परीक्षा नजदीक है इसलिए अभी से रोज योग एवं प्राणायम करोगे तो तुम स्वस्थ रहोगे । सारे रोग ठीक हो जाएंगे एवं तुम्हें जल्दी तुम्हारे पाठ याद हो जाएँगे ।

आशा है तुम मेरी बात मानोगे और नियमित रूप से इनका रोज प्रातः काल अभ्यास करोगे ।

तुम्हारी बहन
अ. ब. स.

B S E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - 28

(ब) रूपरेखा :- 'समय का महत्व'

(i) प्रस्तावना
(ii) समय का आदर
(iii) समय से काम करने से लाभ
समय का विद्यार्थी जीवन में महत्व
समय निकल जाने से हानि
उपसंहार

S (अ) निबंध :-
E (क) "मेरे जीवन का लक्ष्य"

हमें हमारे जीवन में एक लक्ष्य बनाना चाहिए जिससे हमे सफलता प्राप्त हो और हम उसके लिए मेहनत करे। जीवन में लक्ष्य न होनें से जीवन का कोई अर्थ नही। क्योंकि हमे किस चिज पर मेहनत करनी है हमें उसका ज्ञान ही नही हम बेकार हमारा जीवन व्यर्थ कर रहे है इसलिए लक्ष्य का होना जीवन में अनीवार्य है।

मेरे जीवन का भी एक लक्ष्य है। मुझे पढ़-लिखकर एक सफल मनुष्य बनना है जिससे मेरे माता-पिता को मुझ पर गर्व हो और वह सबको गर्व से कह सके कि मैं उनकी बेटी हूँ। जब वह मुझे देखे तब उनको अत्यंत खुशी महसूस हो। पढ़-

BSE

लिखकर मैं कुछ अध्यापिका बनना चाहती हूँ जिससे मैं दूसरों को शिक्षा दे सकू जो मेहनत मेरे शिक्षकों ने मुझ पर की है और मुझे 12 वीं तक पढ़ाया सफल जीवन कैसे व्यर्थ करना चाहिए यह सिखाया वही मैं दूसरे बच्चों को सिखा सकूँ।

सबसे महत्वपूर्ण यह लक्ष्य यह है कि जो बच्चे पढ़ना-लिखना चाहते है किन्तु कुछ परिस्थितियों के कारण नहीं पढ़ सकते उनकी मदद करना। उनको पढ़ाना और एक सफल व्यक्ति में बदल देना। बिना किसी स्वार्थ के। जिसमें बदले में कुछ मिले उसकी आशंका न हो। इस कार्य से मुझे सफलता और मन को प्रसन्नता प्राप्त होगी जिससे मेरा जीवन सफल हो जाएगा। और मेरे माता-पिता जो मुझे सबसे ज्यादा प्रिय है उन्हें मुझपर गर्व महसूस होगा और उनको खुशी होगी।

इसी तरह हर मनुष्य को अपने जीवन में लक्ष्य आवश्यक बनाना चाहिए और उसे प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी चाहिए। रात-दिन एक कर देना चाहिए ताकि जब सफलता प्राप्त हो या हम अपने लक्ष्य को हासिल कर ले तो हमारे हृदय को शांति और प्रसन्नता मिले।

धन्यवाद